Ans. (a) : रमा देवी ने 1931 में बिजौलिया किसान आन्दोलन में भाग लिया जहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने 1930 व 1932 में सत्याग्रह एवं सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भी भाग लिया और जेल गयीं।

567. राजस्थान में मेवाड़ प्रजा मण्डल की स्थापना किसके द्वारा की गई?

(a) विजयसिंह पथिक
(b) माणिक्य लाल वर्मा
(c) साधु सीता रामदास
(d) पण्डित गौरी शंकर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018
RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2015
Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022
RPSC Prayogshala Sahayak (Vigyan) 28-06-2022

Ans. (b) : राजस्थान में मेवाड़ प्रजामण्डल की स्थापना 24 अप्रैल 1938 में माणिक्य लाल वर्मा के द्वारा उदयपुर में की गयी थी। इसके पहले अध्यक्ष बलवंत राय मेहता बनाये गये।

568. मेवाड़ प्रजा मंडल का प्रथम अध्यक्ष कौन था?

(a) माणिक्यलाल वर्मा (b) मोहनलाल सुखाड़िया
(c) बलवन्तसिंह मेहता (d) भूरेलाल बया

MOTAR VAHAN UPNIRIKSHAN 2011

Ans. (c) : उपरोक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

569. मोतीलाल तेजावत सर्वाधिक योग्य नेता माने जाते हैं:

(a) किसान आंदोलन (b) मजदूर आंदोलन
(c) भील आंदोलन (d) छात्र आंदोलन

संगणक भर्ती परीक्षा- 2018 (5 मई, 2018)
RPSC Computer Exam-2018 Date 07-10-2022

Ans. (c) : मोतीलाल तेजावत भील आन्दोलन के सर्वाधिक योग्य नेता माने जाते हैं। मोतीलाल तेजावत को 'आदिवासियों' के मसीहा के रूप में जाना जाता है। इनका जन्म सन् 1896 ई. में राजस्थान के उदयपुर जिले 'कोल्मारी' नामक ग्राम में हुआ था। मोतीलाल तेजावत ने 'वनवासी संघ' की स्थापना की। इन्होंने 1921 में 'एकी आन्दोलन का सफल नेतृत्व किया।

570. रूपाजी एवं कृपाजी धाकड़ नामक दो किसान किस कृषक आन्दोलन के दौरान शहीद हुए?

(a) बीजौलिया (b) बेंगू
(c) बरड़ (d) बीकानेर

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) भर्ती परीक्षा- 2020
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम)-2019
कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018
कनिष्ठ लिपिक अभियन्ता 18-05-2022

Ans. (b) : बेंगू किसान आंदोलन (13 जुलाई 1923) के दौरान रूपा जी एवं कृपा जी धाकड़ नामक दो किसान ब्रिटिश पुलिस लाठी चार्ज और गोलीबारी में शहीद हो गए थे। यह आन्दोलन मेवाड़ सरकार द्वारा उच्च करों एवं श्रम कार्य के विरोध में किसानों का आन्दोलन था। ट्रेंच कमीशन ने कुछ करों को उचित ठहराया, जिससे आन्दोलन तीव्र हो उठा और किसान-पुलिस मुठभेड़ में रूपा जी और कृपा जी धाकड़ नामक किसान की हत्या हुई।

571. निम्नांकित में से प्रजामंडलों का मुख्य उद्देश्य था:

(a) शासकों की सत्ता समाप्त करना।
(b) ब्रिटिश राज का अन्त।
(c) नागरिकों के अधिकारों के लिये संघर्ष।
(d) सामाजिक कुरीतियाँ मिटाना।

RPSC-2011

Ans. (c) : प्रजामंडल आन्दोलनों ने भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के एक महत्वपूर्ण हिस्सा के रूप में अनेक शाखाओं एंव उपशाखाओं में कार्यरत थे। जयपुर प्रजामंडल राजस्थान का प्रथम प्रजामंडल था। प्रजामंडलों का मुख्य उद्देश्य-नागरिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करना था।

572. कृषकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिये विजयसिंह पथिक ने किस संस्था की स्थापना की थी?

(a) सभ्य सभा (b) राजस्थान सेवा संघ
(c) मारवाड़ हितकारिणी सभा (d) सेवा समिति

RPSC-2011

Ans. (b) : विजय सिंह पथिक ने कृषकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए तथा राजनैतिक जागरूकता लाने के लिए वर्ष 1919 ई. में राजस्थान सेवा संघ की स्थापना अजमेर में अर्जुन लाल सेठी, केसरी सिंह बाराहट व राम नारायण चौधरी के संयुक्त प्रयासों से किया था। राजस्थान सेवा संघ का मुख्य कार्य आम आदमी की समस्याओं को सुनना, बेगार प्रथा पर प्रतिबंध लगाना, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना और खादी वस्तुओं को बढ़ावा देना था।

573. ''भरतपुर प्रजामण्डल'' का पंजीकरण करने के बाद उसका नाम बदलकर रखा गया-

(a) ब्रज जया समिति (b) प्रजा परिषद्
(c) भरतपुर प्रजा परिषद् (d) जमींदार किसान सभा

RPSC-2022
RPSC ARO/AARO-2022 G.K. & Horticulture

Ans. (c) : 1938 में हरिपुरा अधिवेशन के बाद भरतपुर प्रजामंडल की स्थापना दिसम्बर, 1938 में की गयी। इसमें गोपीलाल यादव (अध्यक्ष) श्री, किशनलाल जोशी, जुगल किशोर चतुर्वेदी, मास्टर आदित्येंद्र, ठाकुर देशराज आदि प्रमुख थे। 1939 में इसका नाम बदलकर भरतपुर प्रजा परिषद कर दिया गया। 18 मार्च, 1948 को मत्स्य संघ में इसका विलय कर दिया गया।

574. निम्नलिखि में से डूँगरपुर राज्य प्रजा मण्डल के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

(a) गौरी शंकर उपाध्याय (b) ठक्कर बप्पा
(c) भोगीलाल पंड्या (d) माणिक्यलाल वर्मा

RPSC-2017

Ans. (c) : डूँगरपुर राज्य प्रजा मण्डल की स्थापना अगस्त 1944 में भोगीलाल पंड्या ने किया था। वर्ष 1946 में डूँगरपुर राज्य प्रजा मण्डल का पहला अधिवेशन भोगीलाल पंड्या के नेतृत्व में हुआ।

575. डूँगरपुर राज्य प्रजामण्डल की स्थापना कब हुई थी?

(a) 1943 ई. (b) 1944 ई.
(c) 1945 ई. (d) 1946 ई.

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (b) : उपरोक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।